तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 46/2026)

प्रेस के लिए सूचना नोट

सत्यमेव जयते

भादूविप्रा TRAI

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 1 अप्रैल 2026

(www.trai.gov.in)

फरवरी 2026 के अंत में दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलेस*	वायरलाइन	कुल (वायरलेस+वायरलाइन)
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**1013.03**	**46.02**	**1059.05**
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**730.75**	**42.91**	**773.66**
फरवरी 2026 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	5.08	0.32	5.40
मासिक वृद्धि दर	0.70%	0.75%	0.70%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**542.56**	**5.08**	**547.65**
फरवरी 2026 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.89	0.01	1.90
मासिक वृद्धि दर	0.35%	0.28%	0.35%
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1273.31**	**47.99**	**1321.31**
फरवरी 2026 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	6.97	0.34	7.31
मासिक वृद्धि दर	0.55%	0.70%	0.56%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	57.39%	89.41%	58.55%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	42.61%	10.59%	41.45%
समग्र दूरसंचार-घनत्व@ एम 2 एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शन के साथ	**89.30%**	**3.37%**	**92.66%**
शहरी दूरसंचार-घनत्व@	142.32%	8.36%	150.68%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व@	59.46%	0.56%	60.02%
दूरसंचार-घनत्व@ एम 2 एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शन के बिना	**80.99%**	**3.37%**	**84.36%**

- फरवरी 2026 के माह में 14.47 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं।

- फरवरी 2026 के अंत तक सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1177.60 मिलियन थी।

नोट: -

* वायरलेस उपभोक्ता आधार में वायरलेस मोबाइल टेलीफोन उपभोक्ता (एम 2 एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों सहित) तथा फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) उपभोक्ता शामिल हैं।

@ टेली-घनत्व की गणना जुलाई 2020 में प्रकाशित "भारत एवं राज्यों के लिए जनसंख्या प्रक्षेपण पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट (2011-2036)" में उल्लिखित जनसंख्या प्रक्षेपण के आधार पर की गई है।

VLR विज़िटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्त नाम है। विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए पीक वीएलआर की तिथियां अलग-अलग सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग हैं।

- इस प्रेस विज्ञप्ति में दी गई जानकारी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

I. ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस

फरवरी 2026 महीने में 1472 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या 1052.72 मिलियन से बढ़कर 1059.05 मिलियन हो गई जिसमें वृद्धि दर 0.60% प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:-

फरवरी 2026 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

सेगमेंट	सब्सक्रिप्शन	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)		परिवर्तन दर (प्रतिशत)
		जनवरी-25	फरवरी-26	
वायर्ड सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस** (डी.एस.एल., एफ.टी.टी.एक्स., ईथरनेट/एल.ए.न, केबल मॉडेम, आई.एल.एल)	45.83	46.02	0.42%
वायरलेस सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस** (एफ.डब्ल्यू.ए.-5जी, वाई-फाई, वाई-मैक्स, रेडियो/यूबीआर, सैटेलाइट)	15.95	16.51	3.54%
	मोबाइल वायरलेस एक्सेस (हैंडसेट/डोंगल/ एम2एम-आधारित 3G, 4G, 5G)	990.95	996.52	0.56%
कुल ब्राडबैंड सब्सक्रिप्शन		**1052.72**	**1059.05**	**0.60%**

फरवरी 2026 के अंत तक सबसे बड़े पांच (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	519.64
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड*	364.14
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	129.36
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	28.70
5.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.38
पांच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**98.60%**

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया हैः -

फरवरी 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलेस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

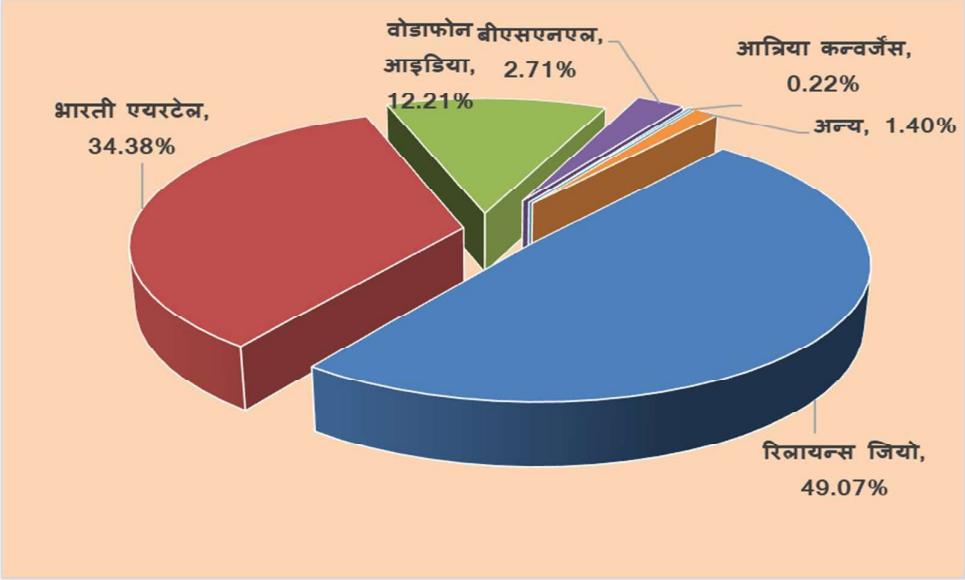

- **फरवरी 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	14.10
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	10.54
3.	भारत संचार निगम लिमिटेड	4.43
4.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.38
5.	केरला विजन ब्रॉडबैंड लिमिटेड	1.47
पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**71.54%**

- **फरवरी 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	505.54
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	353.61
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	129.35
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	24.26
5.	आईबस वर्चुअल नेटवर्क सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.12
पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**99.99%**

II. वायरलाइन टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

- वायरलाइन ग्राहकों की संख्या जनवरी 2026 के अंत में 47.66 मिलियन से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत में 47.99 मिलियन हो गई। इस माह में 0.70% की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में 0.34 मिलियन की वृद्धि दर्ज की गई।

- भारत में कुल वायरलाइन टेली-घनत्व जनवरी 2026 के अंत में 3.34% से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत में 3.37% हो गई। इसी अवधि के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व क्रमशः 8.36% और 0.56% था। फरवरी 2026 के अंत में कुल वायरलाइन सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 89.41% और 10.59% थी।

- फरवरी 2026 के अंत में तीनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल, एमटीएनएल तथा एपीएसएफएल के पास वायरलाइन बाजार की 19.12% हिस्सेदारी थी। वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

फरवरी 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस की बाजार हिस्सेदारी

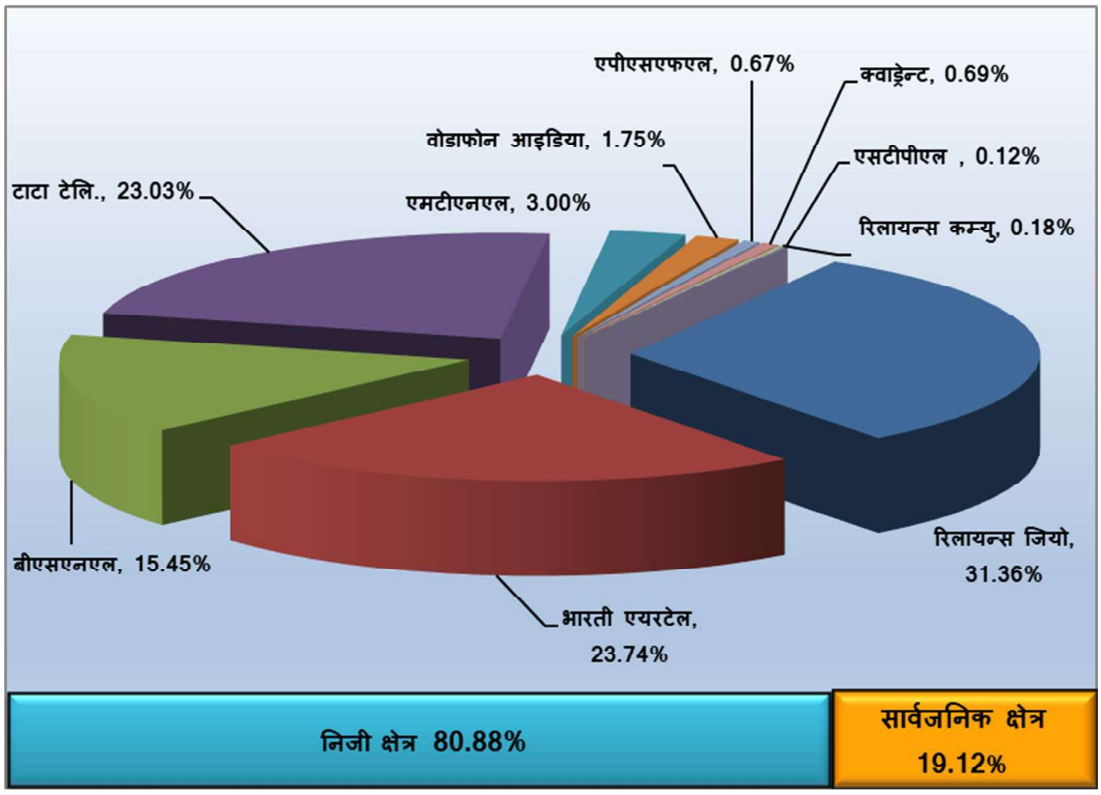

- फरवरी माह में विभिन्न ऐक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस में निबल वृध्दि/क्षय नीचे दिया गया है।

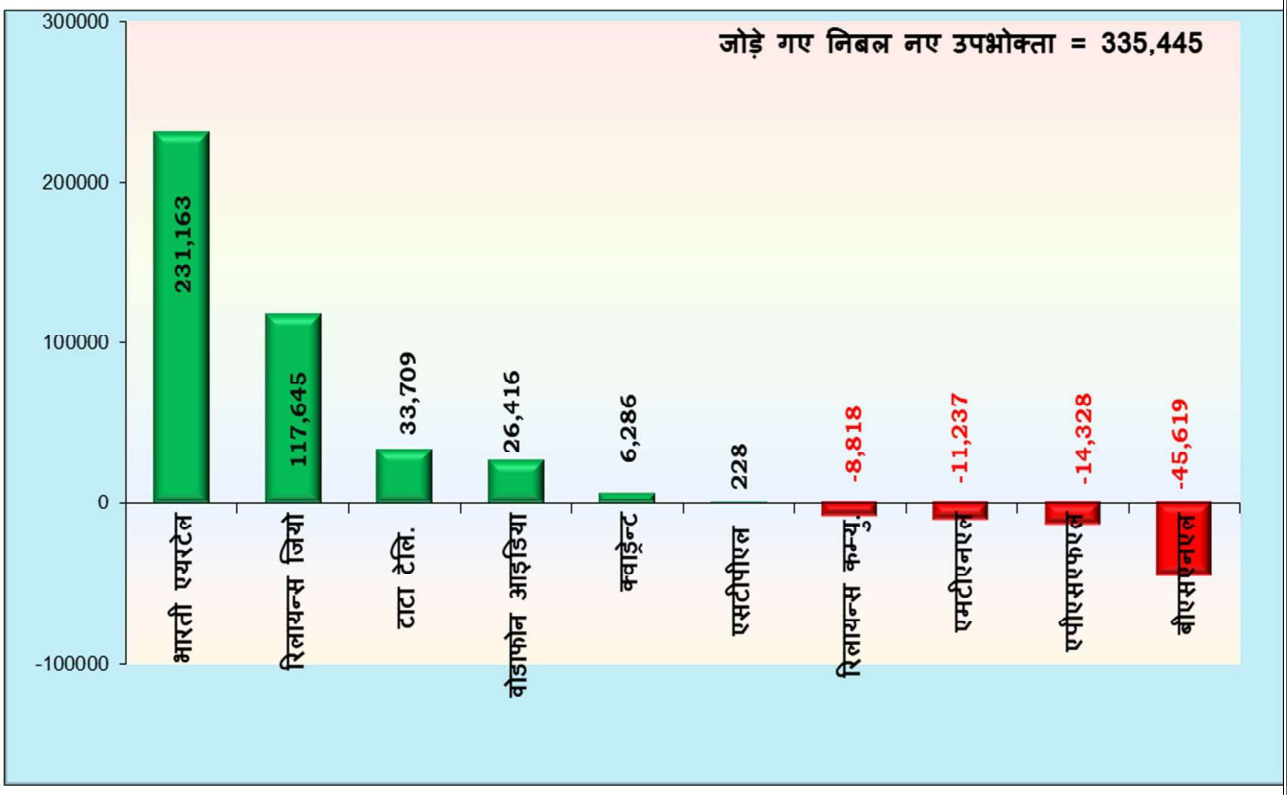

III. वायरलेस टेलीफोन (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- कुल वायरलेस (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या जनवरी 2026 के अंत में 1266.34 मिलियन से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत में 1273.31 मिलियन हो गई, जिससे 0.55% की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में कुल वायरलेस सब्सक्रिप्शन जनवरी 2026 के अंत में 725.67 मिलियन से बढ़कर, फरवरी 2026 के अंत में 730.75 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन 540.67 मिलियन से बढ़कर 542.56 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.70% और 0.35% थी।

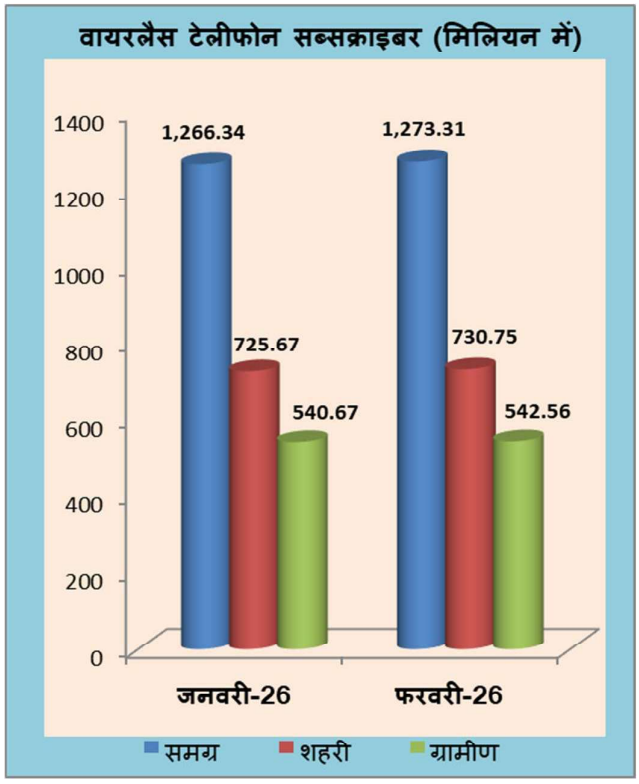

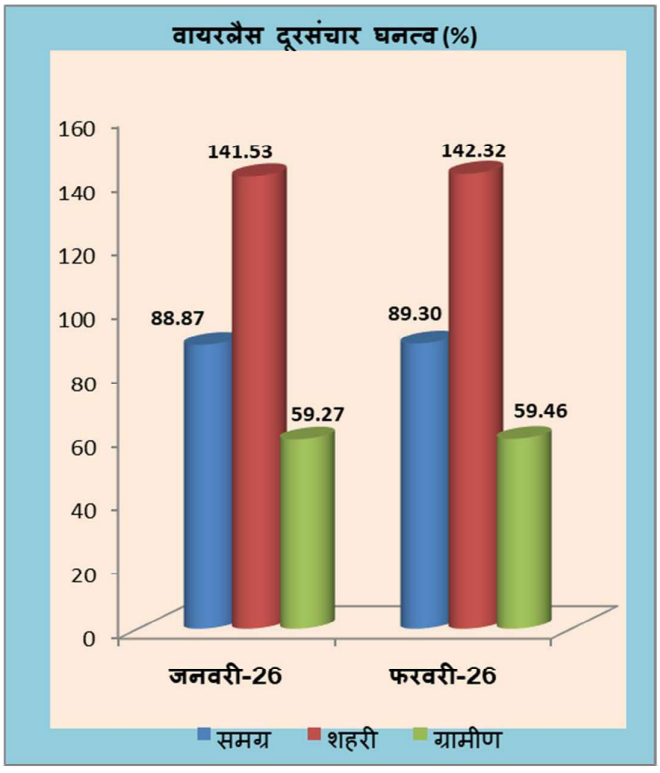

- भारत में वायरलेस टेली-घनत्व जनवरी 2026 के अंत में 88.87% से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत में 89.30% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व जनवरी 2026 के अंत में 141.53% से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत में 142.32% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 59.27% से बढ़कर 59.46% हो गया। फरवरी 2026 के अंत में कुल वायरलेस ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 57.39% और 42.61% थी।

नोट: - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेल्युलर मोबइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

- वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों और वायरलेस (एफडब्ल्यूए) ग्राहकों का विवरण नीचे दिया गया है: -

(अ) वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस

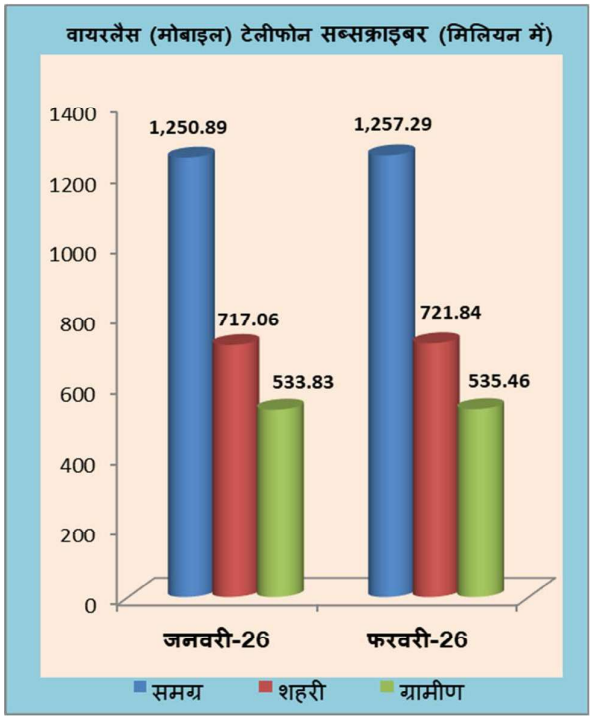

• कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या जनवरी 2026 के अंत में 1250.89 मिलियन से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत में 1257.29 मिलियन हो गए, जिससे मासिक वृद्धि दर 0.51% दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन जनवरी 2026 के अंत में 717.06 मिलियन से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत में 721.84 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन 533.83 मिलियन से बढ़कर 535.46 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.67% और 0.30% थी।

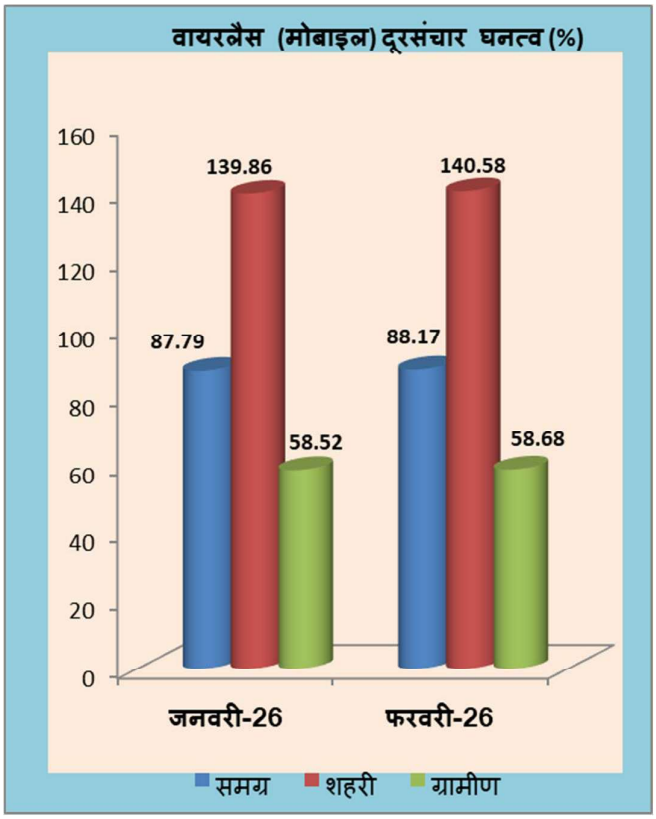

• भारत में वायरलेस (मोबाइल) टेली-घनत्व जनवरी 2026 के अंत में 87.79% से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत में 88.17% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व जनवरी 2026 के अंत में 139.86% से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत में 140.58% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 58.52% से बढ़कर 58.68% हो गया। फरवरी 2026 के अंत में कुल वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 57.41% और 42.59% थी।

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं।

नोट: - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेल्युलर मोबइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

- फरवरी 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 92.59% बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलीफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास 7.41% बाजार हिस्सेदारी थी।

- एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी और वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में शुद्ध वृद्धि को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः -

फरवरी 2026 के अंत तक वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं के संदर्भ में एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी

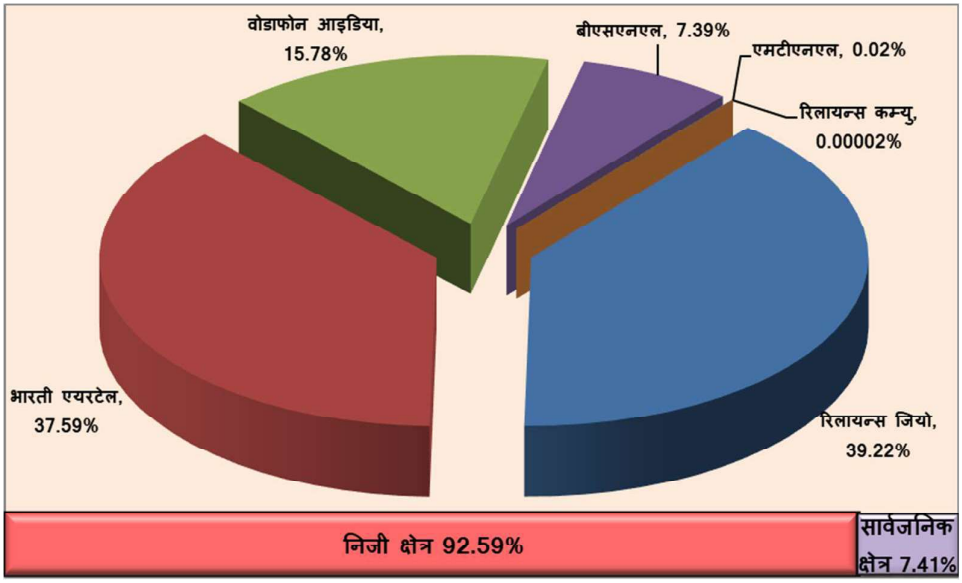

फरवरी 2026 के महीने में एक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शुद्ध वृद्धि/कमी

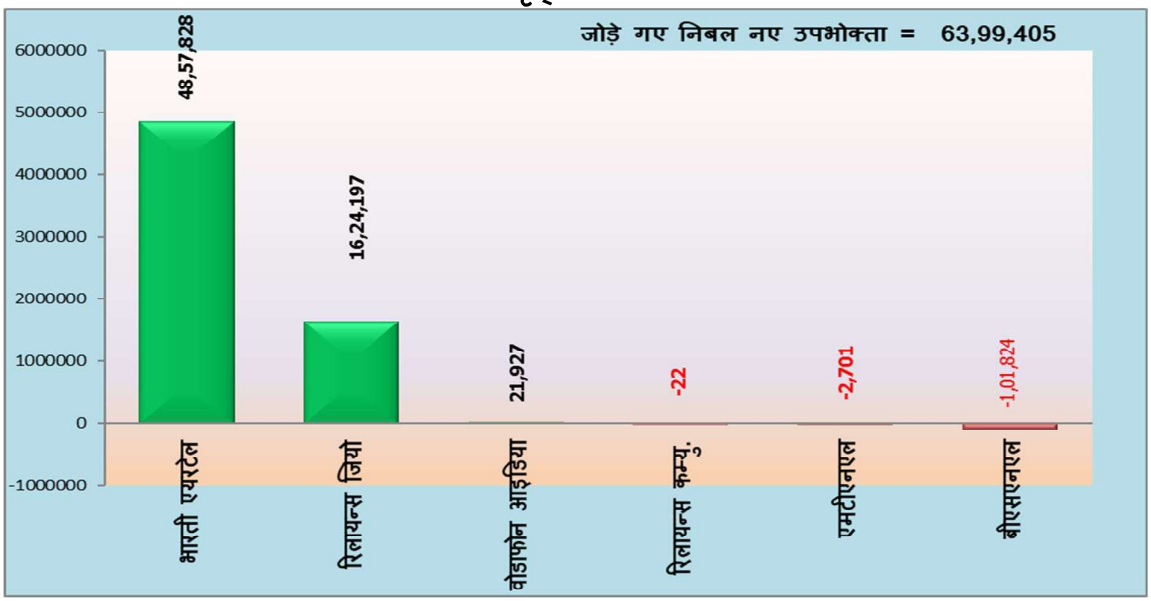

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों में वृद्धि

फरवरी 2026 माह में वायरलेस सब्सक्राइबरों की प्रमुख एक्सेस सेवा प्रदातावार मासिक वृद्धि दर

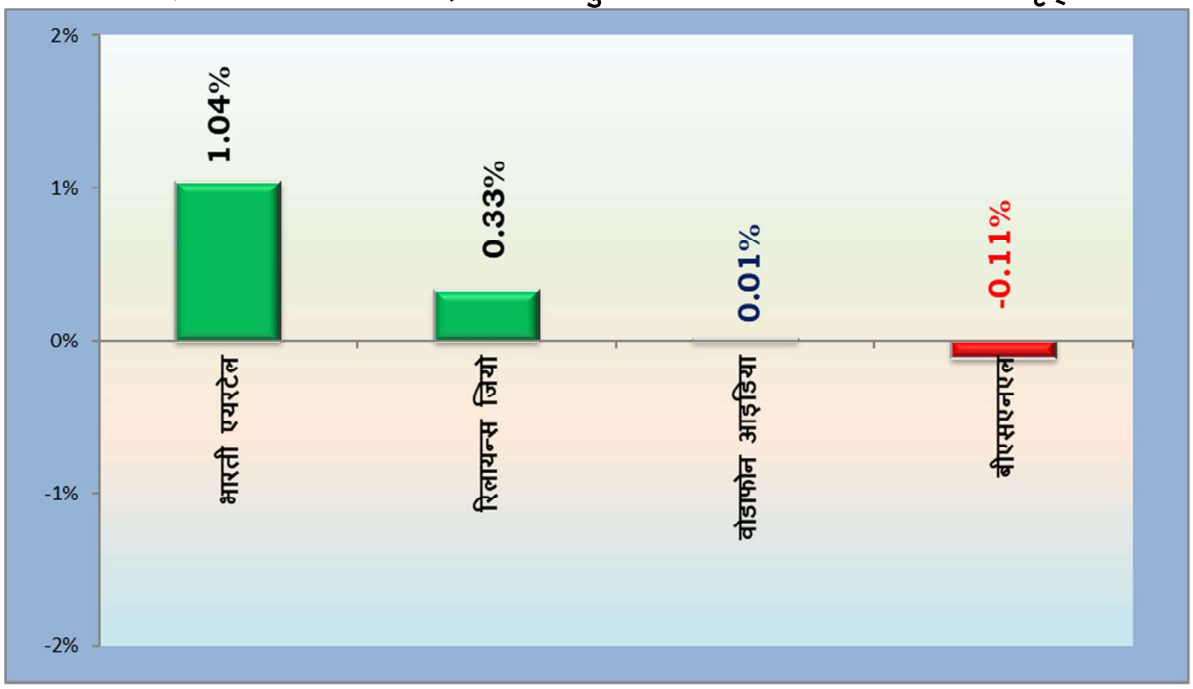

फरवरी 2026 माह के दौरान लाइसेंस्ड सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में मासिक वृद्धि दर

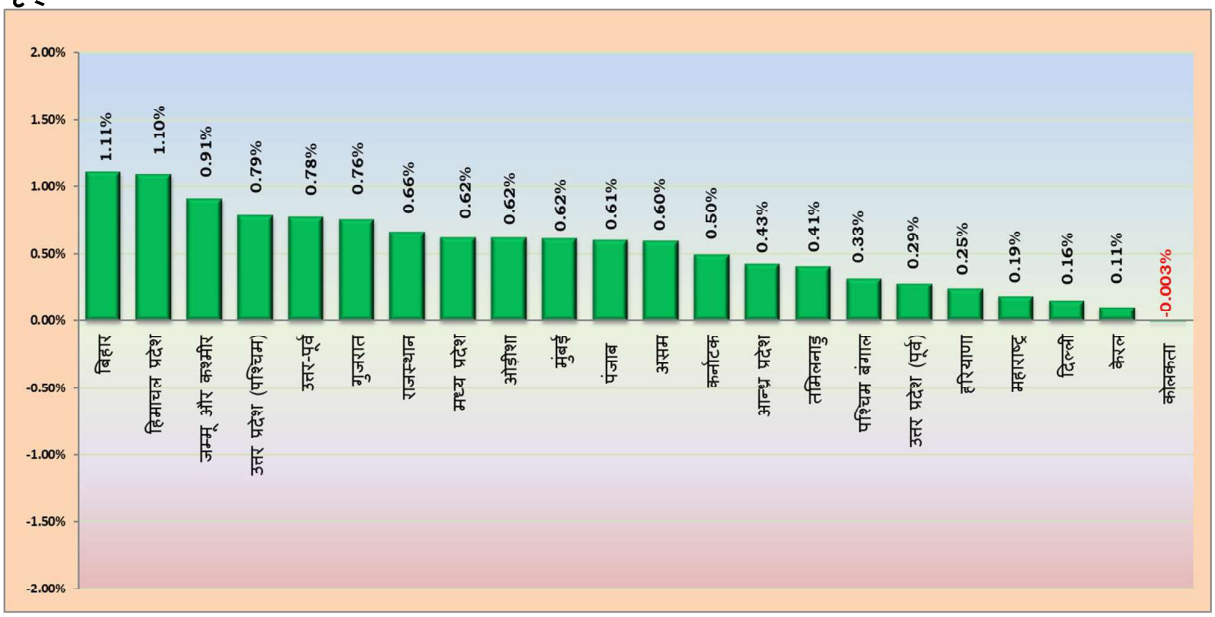

- फरवरी 2026 के दौरान कोलकाता सेवा क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई।

(ब) वायरलेस (एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- वर्तमान में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) आधारित सेवाएं दो श्रेणियों के तहत प्रदान की जा रही है

  (a) 5जी एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए 5जी रेडियो एक्सेस तकनीकि का उपयोग करके; और

  (b) यूबीआर एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए बिना लाइसेंस वाले रेडियो बैंड (यूबीआर) तकनीक का उपयोग करके.

- जनवरी 2026 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या 11.53 मिलियन से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत में 11.93 मिलियन हो गई, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्राइबरों की संख्या क्रमशः 6.01 मिलियन और 5.92 मिलियन थी। फरवरी 2026 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 50.38% और 49.62% थी।
- सेवा क्षेत्र वार वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकडे **अनुलग्नक-5** पर उपलब्ध हैं।
- फरवरी 2026 के अंत तक यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्रिप्शन की संख्या 4.09 मिलियन थी, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन क्रमशः 2.90 मिलियन और 1.18 मिलियन थे। फरवरी 2026 के अंत तक कुल वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स की हिस्सेदारी क्रमशः 71.00% और 29.00% थी।
- सेवा क्षेत्र वार वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) ग्राहक आधार की जानकारी **अनुलग्नक-6** पर उपलब्ध है।

IV. एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन

- एम2एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों की संख्या जनवरी 2026 के अंत में 113.46 मिलियन से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत में 118.47 मिलियन हो गई।

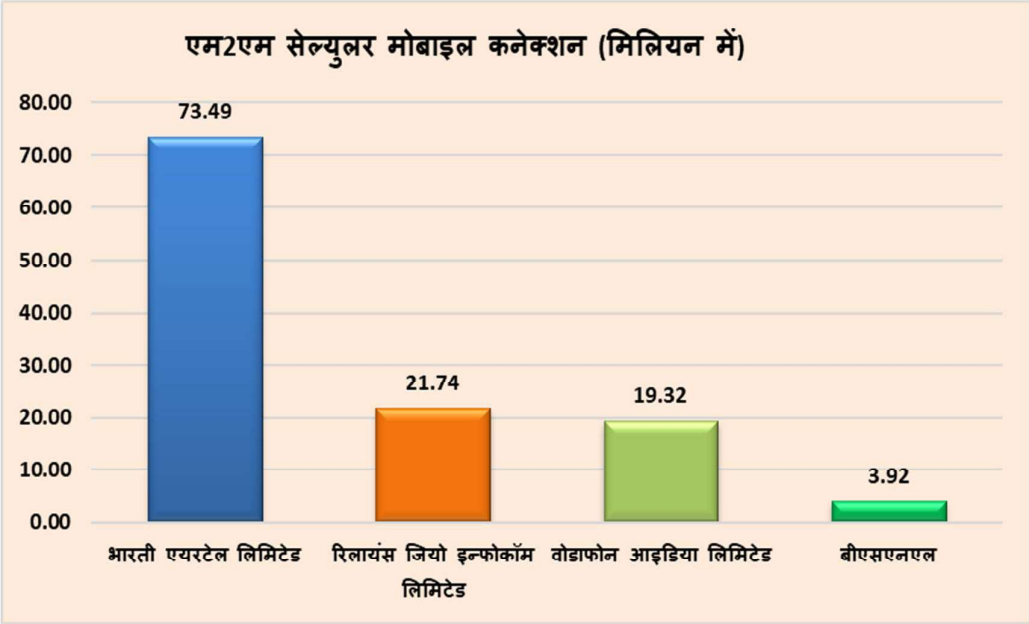

- भारती एयरटेल लिमिटेड के पास 62.03% की बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन 73.49 मिलियन हैं, इसके बाद रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड और बीएसएनएल के पास क्रमशः 18.35%, 16.31% और 3.31% की बाजार हिस्सेदारी है।

V. कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

- जनवरी 2026 के अंत तक देश में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या 1314.00 मिलियन से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत तक 1321.31 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.56% प्रतिशत दर्ज की गयी। जनवरी 2026 के अंत तक शहरी सब्सक्राइबरों की संख्या 768.26 मिलियन से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत तक 773.66 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण सब्सक्राइबरों की संख्या 545.74 मिलियन से बढ़कर 547.65 मिलियन हो गई। फरवरी 2026 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण सब्सक्राइबरों की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.70% तथा 0.35% रही।

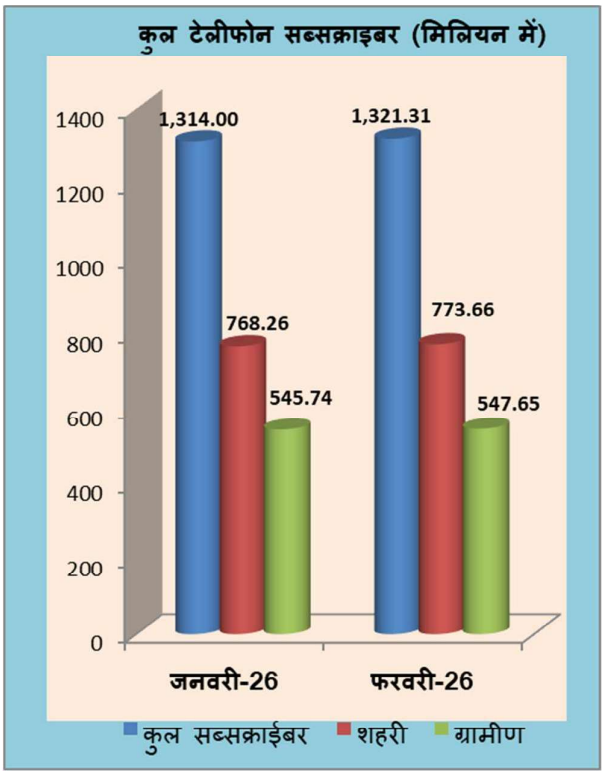

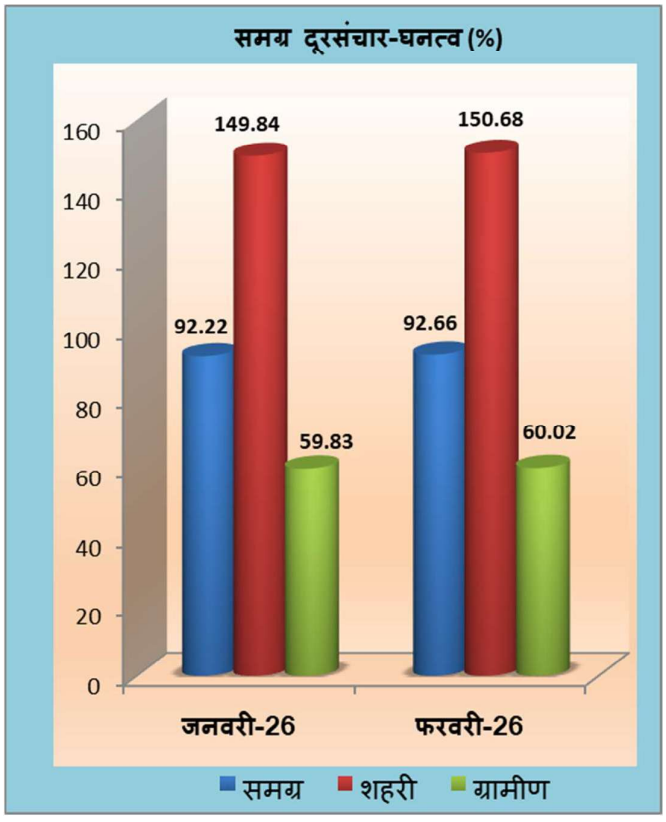

- देश में समग्र दूरसंचार घनत्व जनवरी 2026 के अंत तक 92.22% से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत तक 92.66% हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व जनवरी 2026 के अंत तक 149.84% से बढ़कर फरवरी 2026 के अंत तक 150.68% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व 59.83% से बढ़कर 60.02% हो गया। फरवरी 2026 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 58.55% तथा 41.45% थी।

नोट: - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेलुलर मोबइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

- फरवरी 2026 के अंत तक कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर आधार का सारांश निम्नानुसार है:

फरवरी 2026 के अंत में टेलीफोन सब्सक्राइबर आधार (मिलियन में)

क्रम सं.	टेलीफोन कनेक्शन के प्रकार		सब्सक्राइबरों की संख्या	कुल
1.	वायरलेस	कंज्यूमर सिम	1,138.82	**1,273.31**
2.		एम2एम सिम	118.47	
3.		एफडब्ल्यूए	16.02	
4.	वायरलाइन		47.99	
5.	**कुल**		**1,321.31**	

- निम्नलिखित तालिका में फरवरी 2026 के अंत तक वायरलेस (मोबाइल) टेलीफोन उपभोक्ता बेस की संक्षिप्त जानकारी दी गयी है।

क्रम सं.	मद	सब्सक्राइबरों की संख्या
1.	एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों सहित वायरलेस (मोबाइल) कनेक्शनों की संख्या*	**1,257.29**
2.	एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों को छोड़कर वायरलेस (मोबाइल) कनेक्शनों की संख्या	**1,138.82**

* वायरलेस (मोबाइल) कनेक्शन = कंज्यूमर सिम + एम2एम सिम

फरवरी 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

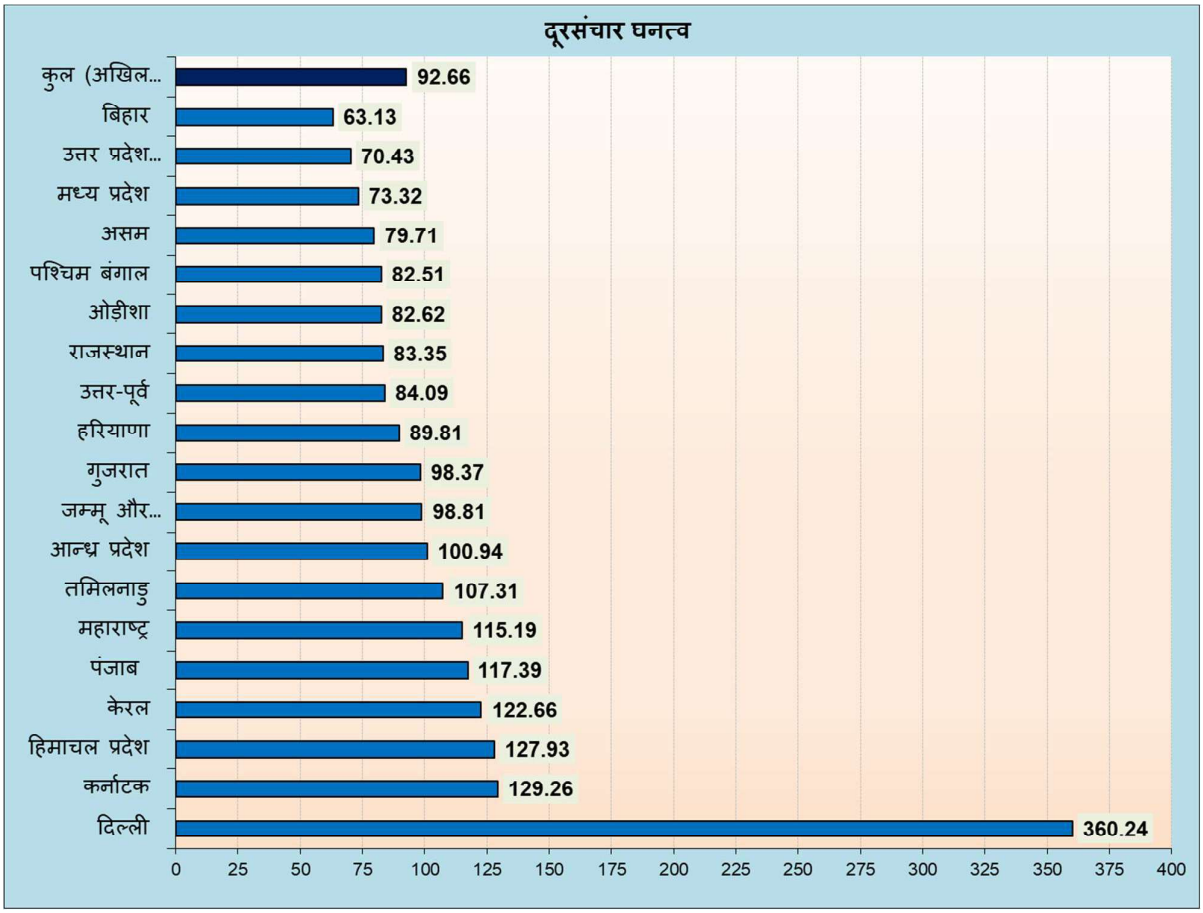

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि फरवरी 2026 के अंत में नौ सेवा क्षेत्रों में टेली-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेली-घनत्व 360.24% रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेली-घनत्व 63.13% रहा।

नोट: -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।
6. टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेल्युलर मोबइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

VI. सब्सक्राइबर बेस में श्रेणीवार वृद्धि

फरवरी 2026 माह में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	फरवरी 2026 के माह में जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर		दिनांक 28 फरवरी 2026 की स्थिति के अनुसार सब्सक्राइबर की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	199,365	2,013,324	20,445,621	426,617,715
श्रेणी - ख	70,449	2,552,926	11,753,114	495,971,264
श्रेणी - ग	66,905	1,993,125	3,638,627	211,275,926
महानगर	-1,274	411,434	12,156,924	139,446,164
अखिल भारतीय	**335,445**	**6,970,809**	**47,994,286**	**1,273,311,069**

फरवरी 2026 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जनवरी 2026 से फरवरी 2026)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी 2025 से फरवरी 2026)	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	0.98%	0.47%	40.94%	8.04%
श्रेणी - ख	0.60%	0.52%	15.95%	4.83%
श्रेणी - ग	1.87%	0.95%	24.21%	8.79%
महानगर	-0.01%	0.30%	30.25%	5.67%
अखिल भारतीय	**0.70%**	**0.55%**	**30.05%**	**6.63%**

* वायरलेस उपभोक्ता आधार में वायरलेस मोबाइल टेलीफोन उपभोक्ता (एम 2 एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों सहित) तथा फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) उपभोक्ता शामिल हैं।

नोट: महानगर सेवा क्षेत्र श्रेणी में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता सेवा क्षेत्र शामिल हैं।

- जैसा कि ऊपर दी गई तालिकाओं में देखा जा सकता है, वायरलेस सेगमेंट में फरवरी 2026 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।
- वायरलाइन सेगमेंट में फरवरी 2026 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर, महानगर को छोड़कर, अन्य सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।

VII. सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर (वीएलआर आंकड़े)

- फरवरी 2026 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या 1257.29 मिलियन में से 1177.60 मिलियन वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर सक्रिय थे। कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर का अनुपात लगभग 93.66% प्रतिशत था।

- फरवरी 2026 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर (जिसे वीएलआर सब्सक्राइबर भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर सब्सक्राइबर की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

फरवरी 2026 माह के दौरान शीर्ष चार टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर सब्सक्राइबरों का प्रतिशत

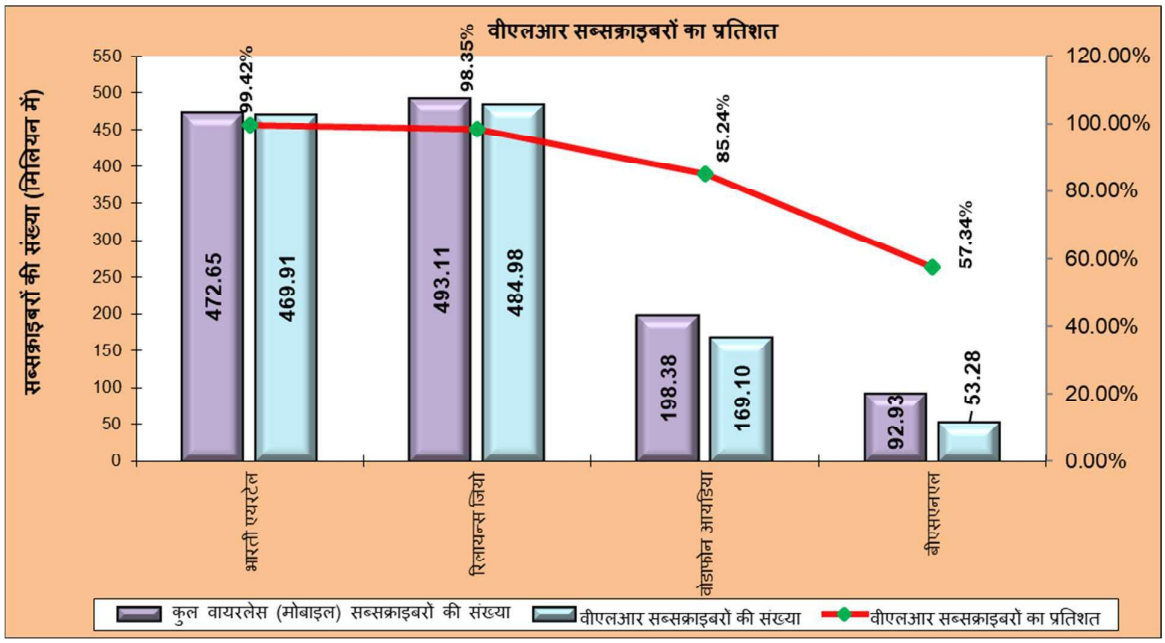

- फरवरी 2026 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 99.42% है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

फरवरी 2026 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर सब्सक्राइबरों का प्रतिशत

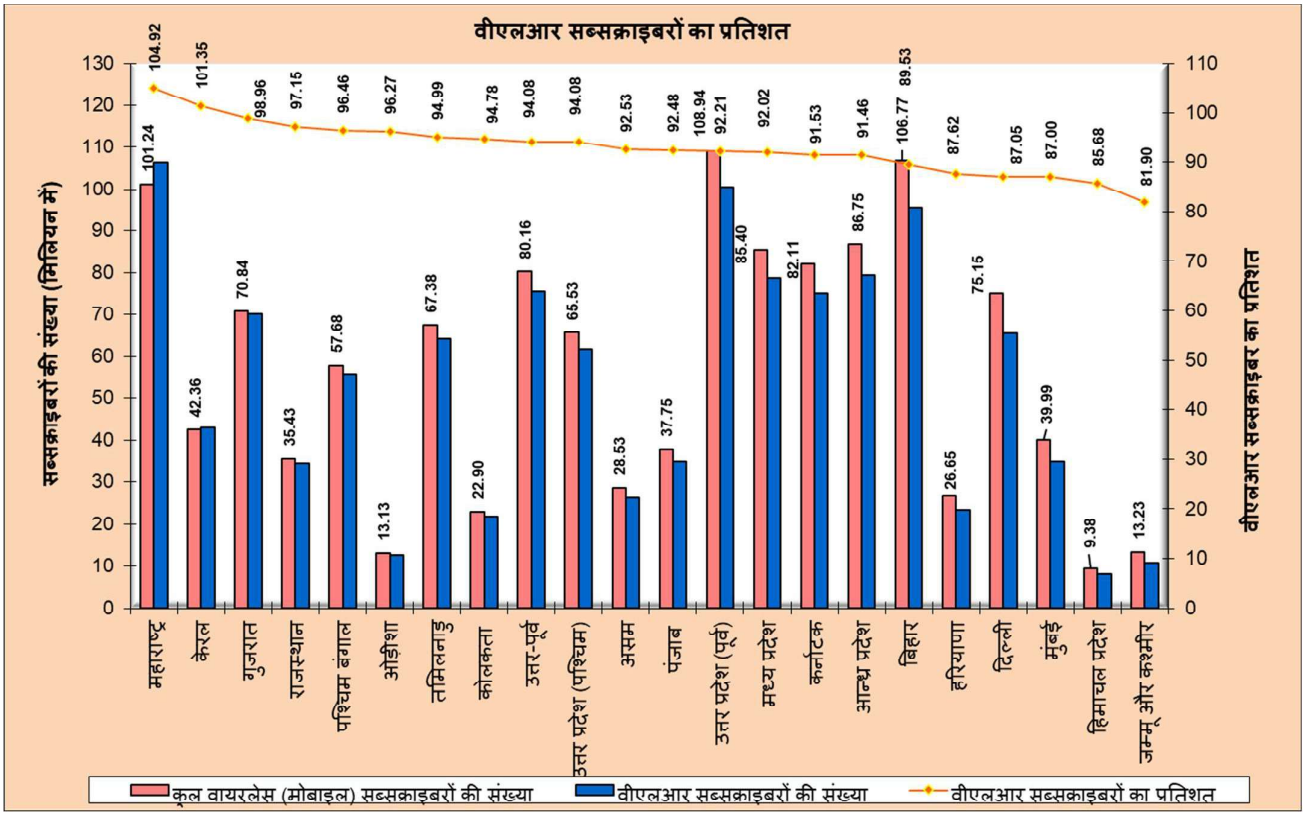

VIII. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- भारत में, अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 20.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलेस मोबाइल सब्सक्राइबर एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- फरवरी 2026 के माह में 14.47 मिलियन टेलीफोन सब्सक्राइबर से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 14.47 मिलियन अनुरोधों में से 8.09 मिलियन अनुरोध जोन-I से तथा 6.38 मिलियन अनुरोध जोन-II से प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) उत्तर प्रदेश-पूर्व सेवा क्षेत्र में (2.09 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद उत्तर प्रदेश-पश्चिम सेवा क्षेत्र में (1.43 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध मध्य प्रदेश सेवा क्षेत्र में (1.41 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद बिहार सेवा क्षेत्र में (1.32 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

लाइसेंस्ड सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-I			**जोन-II**		
सेवा क्षेत्र	**महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)**		**सेवा क्षेत्र**	**महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)**	
	जनवरी 2026	**फरवरी 2026**		**जनवरी 2026**	**फरवरी 2026**
दिल्ली	0.74	0.65	आन्ध्र प्रदेश	0.68	0.60
गुजरात	1.09	0.96	असम	0.12	0.11
हरियाणा	0.46	0.43	बिहार	1.44	1.32
हिमाचल प्रदेश	0.06	0.06	कर्नाटक	0.62	0.55
जम्मू और कश्मीर	0.07	0.07	केरल	0.25	0.21
महाराष्ट्र	1.07	0.97	कोलकाता	0.20	0.18
मुंबई	0.27	0.25	मध्य प्रदेश	1.52	1.41
पंजाब	0.39	0.38	उत्तर-पूर्व	0.03	0.03
राजस्थान	0.90	0.79	ओड़ीशा	0.25	0.22
उत्तर प्रदेश-पूर्व	2.33	2.09	तमिलनाडु	0.59	0.56
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	1.59	1.43	पश्चिम बंगाल	1.32	1.19
कुल	**8.97**	**8.09**	**कुल**	**7.02**	**6.38**
कुल (जोन-I + जोन-II)				15.98	14.47

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अखिलेश कुमार त्रिवेदी, सलाहकार (एनएसएल-**II**),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, टॉवर-एफ, नौरोजी नगर,
नई दिल्ली-**110029.**
फोन-**011-20907758**
ई-मेलः advmn@trai.gov.in

Digitally signed by
Arun Agarwal
Date: 01-04-2026
17:18:08

(अरुण अग्रवाल)
प्रधान सलाहकार (एनएसएल), भा.दू.वि.प्रा.

वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या

अनुलग्नक-1

सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टेलि.		क्वाड्रेन्ट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो		एसटीपीएल		एपीएसएफएल		कुल		शुद्ध योग
	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	
आन्ध्र प्रदेश	654,555	658,517			981,053	1,002,701	14,479	12,100	1,028,513	1,030,883			75,670	84,735	1,958,584	1,989,736			337,145	322,817	**5,049,999**	**5,101,489**	**51490**
असम	99,719	99,724			78,738	81,562	-	-					2,071	2,041	244,103	245,461					**424,631**	**428,788**	**4157**
बिहार	150,491	150,846			432,569	441,516	9	9	71,626	72,174			4,779	4,839	755,775	764,217					**1,415,249**	**1,433,601**	**18352**
दिल्ली	-	-	678,556	679,525	2,453,528	2,481,015	11,998	11,142	955,909	958,602			77,952	80,022	1,149,612	1,153,413					**5,327,555**	**5,363,719**	**36164**
गुजरात	453,618	452,982			358,478	364,644	2,377	1,498	762,945	785,784			121,946	126,306	897,140	893,813					**2,596,504**	**2,625,027**	**28523**
हरियाणा	380,723	365,366			236,977	242,710	-	-	169,110	169,040			380	380	176,401	177,203					**963,591**	**954,699**	**-8892**
हिमाचल प्रदेश	98,075	97,572			27,308	28,382	-	-	3,939	3,739			60	60	79,662	79,693					**209,044**	**209,446**	**402**
जम्मू और कश्मीर	47,454	47,073			154,878	156,703	-	-					30	30	272,616	274,665					**474,978**	**478,471**	**3493**
कर्नाटक	645,623	644,091			1,340,801	1,365,872	11,068	10,494	2,642,584	2,676,892			195,339	201,337	1,146,591	1,153,226					**5,982,006**	**6,051,912**	**69906**
केरल	1,197,563	1,202,589			149,189	150,865	2,129	2,126	94,324	95,180			6,487	6,347	409,058	409,605					**1,858,750**	**1,866,712**	**7962**
कोलकता	226,386	226,178			225,722	227,267	2,060	1,490	365,629	366,718			12,570	12,945	647,240	654,645					**1,479,607**	**1,489,243**	**9636**
मध्य प्रदेश	305,236	306,694			634,296	646,959	5	5	110,177	110,668			49,937	49,937	1,119,685	1,139,115					**2,219,336**	**2,253,378**	**34042**
महाराष्ट्र	626,129	625,060			654,480	667,972	6,035	5,581	1,033,601	1,039,521			19,533	20,193	351,802	351,823					**2,691,580**	**2,710,150**	**18570**
मुंबई	2,462	2,763	772,639	760,433	644,805	648,494	29,456	27,555	2,674,021	2,625,682			185,265	188,438	1,042,388	1,050,597					**5,351,036**	**5,303,962**	**-47074**
उत्तर-पूर्व	59,831	59,885			180	25,711	-	-					450	450	242,171	243,908					**302,632**	**329,954**	**27322**
ओड़ीशा	156,953	157,203			107,278	111,681	5	5	113,515	119,579			3,218	3,568	364,219	366,331					**745,188**	**758,367**	**13179**
पंजाब	564,478	539,294			442,792	452,089	1,498	1,377	59,537	60,696	326,934	333,220	1,130	1,130	459,868	463,598	58,359	58,587			**1,914,596**	**1,909,991**	**-4605**
राजस्थान	293,069	288,688			370,970	379,418	2,937	2,684	83,789	82,960			10,495	10,745	588,047	592,466					**1,349,307**	**1,356,961**	**7654**
तमिलनाडु	968,418	971,809			1,109,815	1,127,494	9,047	8,221	769,880	774,973			28,255	28,520	1,040,752	1,046,026					**3,926,167**	**3,957,043**	**30876**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	143,288	139,598			377,783	395,492	54	54	49,591	49,409			16,182	16,172	756,737	762,400					**1,343,635**	**1,363,125**	**19490**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	213,989	205,684			284,456	294,455	7	7	25,756	25,655			3,172	3,142	858,261	864,998					**1,385,641**	**1,393,941**	**8300**
पश्चिम बंगाल	170,980	171,805			98,959	103,216	21	19	7,316	7,316			150	150	370,383	371,801					**647,809**	**654,307**	**6498**
कुल	**7,459,040**	**7,413,421**	**1,451,195**	**1,439,958**	**11,165,055**	**11,396,218**	**93,185**	**84,367**	**11,021,762**	**11,055,471**	**326,934**	**333,220**	**815,071**	**841,487**	**14,931,095**	**15,048,740**	**58,359**	**58,587**	**337,145**	**322,817**	**47,658,841**	**47,994,286**	**335445**
शुद्ध योग		**-45619**		**-11237**		**231163**		**-8818**		**33709**		**6286**		**26416**		**117645**		**228**		**-14328**		**335445**	
ग्रामीण ग्राहक	**2,160,630**	**2,126,087**	**24**	**24**	**139,003**	**141,462**	**300**	**300**	**1,421,167**	**1,449,859**	**161,638**	**168,772**	**-**	**-**	**972,428**	**985,091**	**-**	**-**	**215,459**	**213,249**	**5,070,649**	**5,084,844**	**14195**

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या

अनुलग्नक-2

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		एमटीएनएल		रिलायन्स जियो		कुल		शुद्ध योग
	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	
आन्ध्र प्रदेश	37,999,714	38,327,283	-	-	8,853,196	8,854,876	7,489,371	7,489,622			32,030,471	32,075,153	**86,372,752**	**86,746,934**	374182
असम	14,078,593	14,212,088		-	1,454,471	1,466,072	2,950,889	2,939,314			9,874,991	9,910,383	**28,358,944**	**28,527,857**	168913
बिहार	48,205,639	49,237,048	-	-	7,360,582	7,359,813	5,645,447	5,636,574			44,387,157	44,537,959	**105,598,825**	**106,771,394**	1172569
दिल्ली	37,956,746	38,222,715	2	2	16,511,485	16,326,460			135,776	134,606	20,428,587	20,466,208	**75,032,596**	**75,149,991**	117395
गुजरात	15,339,085	15,503,511	1	1	19,382,645	19,457,305	3,298,684	3,293,233			32,287,641	32,585,710	**70,308,056**	**70,839,760**	531704
हरियाणा	7,771,855	7,813,312	-	-	6,195,167	6,207,455	4,426,395	4,415,488			8,186,780	8,209,320	**26,580,197**	**26,645,575**	65378
हिमाचल प्रदेश	3,632,072	3,632,654	-	-	386,636	389,532	1,779,691	1,778,243			3,478,257	3,577,829	**9,276,656**	**9,378,258**	101602
जम्मू और कश्मीर	6,590,080	6,620,418	-	-	263,476	268,634	856,454	855,876			5,401,814	5,486,632	**13,111,824**	**13,231,560**	119736
कर्नाटक	43,330,426	43,661,606	156	135	7,547,414	7,516,679	4,713,937	4,712,976			26,108,976	26,218,620	**81,700,909**	**82,110,016**	409107
केरल	9,543,880	9,570,297	4	3	12,743,492	12,755,200	8,974,130	8,968,497			11,058,663	11,070,831	**42,320,169**	**42,364,828**	44659
कोलकता	5,983,137	5,983,605	-	-	4,598,511	4,588,903	1,428,921	1,426,529			10,886,507	10,897,387	**22,897,076**	**22,896,424**	-652
मध्य प्रदेश	18,082,305	18,200,513	-	-	12,656,416	12,661,300	5,131,745	5,136,362			49,001,026	49,402,733	**84,871,492**	**85,400,908**	529416
महाराष्ट्र	31,068,546	31,586,780	-	-	20,548,489	20,617,223	5,321,107	5,315,131			44,114,092	43,720,843	**101,052,234**	**101,239,977**	187743
मुंबई	15,559,577	15,797,686	48	51	10,806,516	10,828,191			90,957	89,426	13,289,563	13,276,305	**39,746,661**	**39,991,659**	244998
उत्तर-पूर्व	6,624,053	6,636,085	-	-	599,975	597,462	1,305,572	1,305,447			4,501,763	4,593,508	**13,031,363**	**13,132,502**	101139
ओड़ीशा	13,107,129	13,153,321	-	-	1,486,579	1,503,646	5,513,183	5,507,651			17,411,440	17,586,250	**37,518,331**	**37,750,868**	232537
पंजाब	13,941,637	14,059,983	5	5	5,597,660	5,616,780	4,112,988	4,103,312			11,562,724	11,648,351	**35,215,014**	**35,428,431**	213417
राजस्थान	25,442,403	25,683,135	39	36	8,411,534	8,418,253	5,743,571	5,733,509			27,336,583	27,543,925	**66,934,130**	**67,378,858**	444728
तमिलनाड़	32,743,838	32,957,309	-	-	14,263,749	14,276,884	7,971,060	7,990,412			24,857,332	24,938,684	**79,835,979**	**80,163,289**	327310
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	40,222,140	40,720,415	-	-	15,708,507	15,833,950	8,482,147	8,474,962			44,213,422	43,907,858	**108,626,216**	**108,937,185**	310969
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	21,815,161	22,227,092	-	-	12,584,348	12,500,495	5,230,318	5,195,981			25,383,294	25,604,734	**65,013,121**	**65,528,302**	515181
पश्चिम बंगाल	18,753,034	18,842,022	4	4	10,399,121	10,336,783	2,652,592	2,647,259			25,686,703	25,852,760	**57,491,454**	**57,678,828**	187374
कुल	**467,791,050**	**472,648,878**	**259**	**237**	**198,359,969**	**198,381,896**	**93,028,202**	**92,926,378**	**226,733**	**224,032**	**491,487,786**	**493,111,983**	**1,250,893,999**	**1,257,293,404**	**6399405**
शुद्ध योग		**4,857,828**		**-22**		**21927**		**-101824**		**-2701**		**1,624,197**	**0**	**6399405**	
ग्रामीण ग्राहक	195,097,833	195,930,058	-	-	92,381,543	92,700,375	30,883,773	30,843,356	2,838	2,813	215,464,873	215,980,214	**533,830,860**	**535,456,816**	**1625956**

अनुलग्नक-3

फरवरी 2026 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का एच एल आर के साथ अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल (सभी सेवा प्रदाताओं के लिए एक साथ)
आन्ध्र प्रदेश	97.51	61.09	94.92		-	90.38	**91.46**
असम	101.48	23.23	90.03		-	100.61	**92.53**
बिहार	89.10	33.73	87.37		-	97.41	**89.53**
दिल्ली	96.12		51.82	195.16	100.00	97.49	**87.05**
गुजरात	112.43	46.63	91.31		0.00	102.40	**98.96**
हरियाणा	102.70	23.52	92.31		-	104.21	**87.62**
हिमाचल प्रदेश	93.04	47.80	94.59		-	96.06	**85.68**
जम्मू और कश्मीर	85.29	56.60	78.05		-	81.93	**81.90**
कर्नाटक	97.73	65.75	69.16		100.00	92.25	**91.53**
केरल	106.88	115.35	94.08		-	93.62	**101.35**
कोलकता	98.62	75.45	86.55		-	98.68	**94.78**
मध्य प्रदेश	98.16	42.93	87.45		-	96.03	**92.02**
महाराष्ट्र	108.63	89.56	93.89		-	109.32	**104.92**
मुंबई	94.27		70.70	64.90	100.00	91.81	**87.00**
उत्तर-पूर्व	101.08	46.52	96.50		-	103.43	**96.27**
ओड़ीशा	103.32	42.95	87.70		-	100.29	**92.48**
पंजाब	111.83	36.26	93.29		100.00	102.75	**97.15**
राजस्थान	102.01	45.94	92.03		100.00	99.56	**94.99**
तमिलनाडु	97.62	87.63	79.80		-	99.66	**94.08**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	101.09	32.46	87.58		-	97.18	**92.21**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	104.94	35.31	92.70		-	97.25	**94.08**
पश्चिम बंगाल	96.97	77.38	91.16		100.00	100.16	**96.46**
कुल	**99.42**	**57.34**	**85.24**	**143.16**	**100.00**	**98.35**	**93.66**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

अनुलग्नक-4

वायरलेस क्षेत्र में वीएलआर सब्सक्राइबर

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन सब्सक्राइबर की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक सब्सक्राइबर, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर सब्सक्राइबर के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का डाटा भेजता है।

सब्सक्राइबर की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (**बी**=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	सब्सक्राइबर को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**सब्सक्राइबर की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक

बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई सब्सक्राइबर एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि सब्सक्राइबर सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि सब्सक्राइबर ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित सब्सक्राइबर की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय सब्सक्राइबर के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

5G FWA सब्सक्राइबरों की संख्या

अनुलग्नक-5

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स जियो		कुल	
	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26	जनवरी-26	फरवरी-26
आन्ध्र प्रदेश	307,091	320,295	697,291	711,614	1,004,382	1,031,909
असम	69,755	75,909	194,045	198,870	263,800	274,779
बिहार	162,974	179,877	675,014	694,852	837,988	874,729
दिल्ली	162,498	172,406	229,492	230,045	391,990	402,451
गुजरात	187,572	200,188	440,982	447,825	628,554	648,013
हरियाणा	87,455	93,761	228,678	235,091	316,133	328,852
हिमाचल प्रदेश	16,551	17,967	77,368	79,259	93,919	97,226
जम्मू और कश्मीर	60,318	65,573	176,816	179,321	237,134	244,894
कर्नाटक	286,498	303,113	415,141	421,364	701,639	724,477
केरल	63,557	67,595	185,847	189,636	249,404	257,231
कोलकता	91,655	96,732	162,495	163,902	254,150	260,634
मध्य प्रदेश	151,026	163,684	558,875	573,333	709,901	737,017
महाराष्ट्र	286,745	306,404	618,023	627,224	904,768	933,628
मुंबई	106,945	112,622	108,029	109,622	214,974	222,244
उत्तर-पूर्व	37,103	39,550	87,943	90,119	125,046	129,669
ओड़ीशा	76,941	82,347	300,789	309,420	377,730	391,767
पंजाब	158,232	170,756	492,904	502,984	651,136	673,740
राजस्थान	198,995	216,058	462,803	472,615	661,798	688,673
तमिलनाडु	399,648	417,219	381,330	388,299	780,978	805,518
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	202,176	222,221	686,198	703,259	888,374	925,480
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	153,936	165,957	528,312	541,636	682,248	707,593
पश्चिम बंगाल	91,766	98,910	459,229	472,145	550,995	571,055
कुल	**3,359,437**	**3,589,144**	**8,167,604**	**8,342,435**	**11,527,041**	**11,931,579**
शुद्ध योग		**229,707**		**174,831**		**404,538**
मासिक वृद्धि%		**6.84%**		**2.14%**		**3.51%**

अनुलग्नक-6

यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्राइबर बेस

सेवा प्रदाता →	**रिलायंस जियो ***	
↓सेवा क्षेत्र	**जनवरी-26**	**फरवरी-26**
आंध्र प्रदेश	317,471	334,154
असम	32,210	34,095
बिहार	268,491	279,543
दिल्ली	268,957	282,343
गुजरात	268,256	279,451
हरियाणा	174,604	180,379
हिमाचल प्रदेश	10,223	10,660
जम्मू और कश्मीर	75,584	77,705
कर्नाटक	239,649	251,523
केरल	9,456	9,897
कोलकाता	172,406	181,892
मध्य प्रदेश	231,866	241,754
महाराष्ट्र	322,967	335,594
मुंबई	55,920	58,526
उत्तर पूर्व	13,570	14,341
ओडिशा	51,163	54,079
पंजाब	229,817	238,728
राजस्थान	278,238	288,428
तमिलनाडु	165,797	173,472
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	270,998	280,254
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	342,087	354,486
पश्चिम बंगाल	119,490	124,782
कुल	**3,919,220**	**4,086,086**
नेट एडिशन		**166,866**
मासिक वृद्धि %		**4.26%**

* केवल रिलायंस जियो ने एफडब्ल्यूए-यूबीआर सब्सक्राइबर बेस की सूचना दी है।